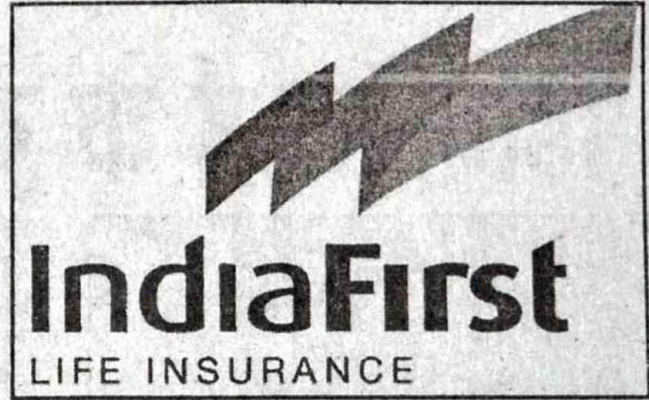


इण्डिया फर्स्ट लाइफ ने भारतीय जीवन बीमा उद्योग में सफलतापूर्वक चार साल पूरे किए

मुंबई (एजेंसी)। देश की नई एवं सबसे तेजी से विकसित होती हुई जीवन बीमा कम्पनियों में से एक, इण्डिया फर्स्ट ने भारतीय बीमा उद्योग में अपने चौथे साल को भी सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। 475 करोड़ रु की शेयर पूंजी के साथ, इण्डिया फर्स्ट आज 5000 से ज्यादा बैंक शाखाओं के माध्यम से देश के 1000 से ज्यादा शहरों एवं नगरों में अपनी सशक्त मौजूदगी बना चुकी है। 16 नवम्बर 2009 में अपनी गतिविधियों की शुरुआत करने के बाद, कम्पनी ने ऐसे साधारण एवं किफायती उत्पादों को पेश किया है, जो आम आदमी के लिए समझने में आसान हैं और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हैं। इस अवसर पर अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए इण्डिया फर्स्ट लाइफ इन्श्योरेंस के प्रबन्ध निदेशक डॉ. पी नन्दगोपाल ने बताया, इण्डिया फर्स्ट में पिछले चार सालों के दौरान हमारी यात्रा बेहद चुनौतीपूर्ण किंतु उत्साहजनक रही है। हमें गर्व है कि हमारे नाम के अनुसार हमने हमेशा से उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी है। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के साथ हम हमारे हितधारकों को उत्कृष्ट सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर रहें हैं। देश में आर्थिक संकट एवं बीमा उद्योग में मौजूदा बदलावों के बावजूद कम्पनी ने वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए 34 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की है; इस साल के दौरान कम्पनी ने 1.74 मिलियन से ज्यादा जीवन बीमा किए हैं। जहां एक ओर नए बिजनेस प्रीमियम के लिए कम्पनी का परिचालन व्यय 16 फीसदी रहा है, वहीं दूसरी ओर यह जोखिम को समायोजित करते हुए अपने उपभोक्ताओं को बेहतर रिटर्न प्रदान करती आई है। 5000 करोड़ रु के फंड के साथ, कम्पनी ने 200 से अधिक कोरपोरेट उपभोक्ताओं के साथ कोरपोरेट बिजनेस सेगमेंट में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। इस साल हम माइक्रो, हेल्थ और पेन्शन पर फोकस करने की योजना बना रहे हैं। आने वाले समय में हम हमारे डिजिटल चैनल एवं वैकल्पिक रिटेल के माध्यम से हमारी वितरण प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाएंगे। डॉ. नन्दगोपाल ने अपनी बात को जारी रखते हुए बताया। कम्पनी की मौजूदा उत्पादों की रेंज स्वास्थ्य, सुरक्षा, बचत एवं सम्पत्ति से जुड़ी सभी जरूरतों को पूरा करती है। यह क्रेडिट लाइफ टर्म एवं

कर्मचारी देयता से भी सामूहिक बीमा उत्पादों की व्यापक रेंज पेश करती



है। विभिन्न आर्थिक वर्गों के भारतीय उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए इसके सभी उत्पादों को डिज़ाइन किया जाता है। जहां एक ओर हम चौथे साल की सफलता का जश्न मना रहे हैं, वहीं हम उपभोक्ताओं को लगातार उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए नए अवसरों की तलाश में हैं। हमें उम्मीद है कि आने वाले 2-3 सालों में हम 10-20 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज करेंगे। डॉ. नन्दगोपाल ने बताया। कम्पनी ने अपने उपभोक्ताओं के लिए कई उपभोक्ता केन्द्रित गतिविधियों की शुरुआत की है जैसे पर्सनलाइज्ड पिक्चर पॉलिसी पैक, इसके मैजिक बोर्ड के माध्यम से ऑन-द-स्पॉट पॉलिसी जारी करना या इसके इण्डिया फर्स्ट हेल्थ क्लेम कार्ड की मदद से इन्स्टेंट 2 स्वाइप हेल्थ क्लेम सेटलमेंट। 475 करोड़ रु की शेयर पूंजी से युक्त इण्डिया फर्स्ट का मुख्यालय मुंबई में है। यह देश की सबसे कम उम्र की जीवन बीमा कम्पनियों में से एक है जिसे देश के दो सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों- बैंक ऑफ बड़ौदा एवं आन्धा बैंक तथा यूके की अग्रणी जोखिम, सम्पत्ति एवं निवेश कम्पनी लीगल एण्ड जनरल का समर्थन प्राप्त है। बैंक ऑफ बड़ौदा की इण्डिया फर्स्ट में 44 फीसदी हिस्सेदारी है, वहीं आन्धा बैंक एवं लीगल एण्ड जनरल की क्रमशः 30 फीसदी और 26 फीसदी की हिस्सेदारी है।